(b) NMDFC issues instructions from time to time to the SCAs to relax the guarantee norms to provide hassle free loans to the eligible minority entrepreneurs. Now Income Tax payee, prominent persons from the Minority community, Public Sector Undertakings/Government Employees can also stand as guarantor for loans. Moreover for loans, self-attested essential documents are accepted by the SCAs.

(c) Ministry has taken action to cover more minority youths under *"Seekho aur Kamao* (Learn & Earn)" by allocating more funds in coming financial year. A new scheme namely "USTTAD (Upgrading the Skills and Training in Traditional Arts/Crafts for Development)" has been approved to conserve traditional arts/crafts of our country and for building capacity of traditional artisans and craftsmen belonging to minority communities. This scheme on one hand aims to conserve the rich heritage of the country and on the other hand it aims to establish linkages with National and International market and ensure dignity of labour. Further, NMDFC has established a "Maulana Azad National Academy for Skills (MANAS)" on 10th November, 2014 for promoting entrepreneurship with credit linkages. A Regional office of NMDFC has also been opened at Chennai to expand the outreach.

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over. The House is adjourned till 1.30 p.m.

The House then adjourned for lunch at one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty minutes past one of the clock,

MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*

SUBMISSION BY THE MEMBERS FOR SEEKING THE PRIME MINISTER'S PRESENCE IN THE HOUSE

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let us take up further discussion on the Motion of Thanks on the President's Address. Shri Naresh Agrawal.

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, अच्छा होता कि... एलओपी कुछ बोलना चाहते हैं।

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आज़ाद) : माननीय डिप्टी चेयरमैन साहब, हमारी सभी अपोज़िशन पार्टीज़ के सीनियर लीडर्स तो बोल चुके हैं और हमारे बहुत सारे दूसरे मेम्बर्स भी बोल चुके हैं। अब या तो सभी पार्टीज़ के डिप्टी लीडर्स या चीफ व्हिप्स बोलने के लिए रह गए हैं। इनको लगता था कि जब माननीय प्रधान मंत्री जी आएंगे, तो कम से कम हर पार्टी का एक-एक लीडर माननीय प्रधान मंत्री जी के सामने बोलेगा, क्योंकि यहां हाउस में तो कोई नोट भी नहीं लेता है, ...**(व्यवधान)**..

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नक़वी) : नहीं, ऐसा नहीं है।

श्री गुलाम नबी आज़ाद : हम माननीय प्रधान मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करते हैं कि जब हमने शुरुआत की, उस वक्त प्रधान मंत्री जी मौजूद थे, लेकिन हमारे अलावा यहां पर दूसरी राष्ट्रीय स्तर की इम्पॉर्टेंट पॉलिटिकल पार्टीज़ भी मौजूद हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बारे में उनका जो अनुभव है, उनकी जो मांगें हैं या उनके जो ओपिनियन हैं, उसके बारे में माननीय प्रधान मंत्री जी को जानकारी नहीं है। हमारा यह ख्याल था कि जब आज लंच के बाद माननीय प्रधान मंत्री जी आएंगे, तो अपना भाषण देंगे, उनको हम सब लोग सुनेंगे और उसी समय हमारे बाकी के जो साथी हैं, माननीय प्रधान मंत्री जी उनको भी सुनेंगे। ऐसा लगता है कि अब प्रधान मंत्री जी सिर्फ उसी वक्त आएंगे, जिस वक्त उन्हें भाषण करना होगा।

महोदय, हमारी डिमांड है कि कहीं बारिश की वजह से और कहीं बर्फ की वजह से पूरे देश में जो नुक़सान हुआ है, अगर हम 3.00 बजे तक पहले वह विषय ले लेते, तो 3.00 बजे के बाद यहां माननीय प्रधान मंत्री जी की उपस्थिति में पहले हमारे साथियों के भाषण हो जाते।

قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد) : مانئے ڈپٹی چیئرمین صاحب، ہماری سبھی اپوزیشن پارٹیز کے سینئر لیڈرس تو بول چکے ہیں اور ہمارے بہت سارے دوسرے ممبرس بھی بول چکے ہیں۔ اب یا تو سبھی پارٹیز کے ڈپٹی لیڈرس یا چیف وہپ بولنے کے لئے رہ گئے ہیں۔ ان کو لگتا تھا کہ جب مانئے پردھان منتری جی آئیں گے، تو کم سے کم ہر پارٹی کا ایک ایک لیڈر مانئے پردھان منتری جی کے سامنے بولے گا، کیوں کہ یہاں ہاؤس میں تو کوئی نوٹ بھی نہیں لیتا ہے ...(مداخلت)...

وزیر مملکت برائے پارلیماتی امور (جناب مختار عباس نقوی) : نہیں، ایسا نہیں ہے۔

جناب غلام نبی آزاد : ہم مانئے پردھان منتری جی کا بہت بہت دھنیواد کرتے ہیں کہ جب ہم نے شروعات کی، اس وقت پردھان منتری جی موجود تھے، لیکن ہمارے علاوہ یہاں پر دوسری راشٹریہ استر کی امپورٹینٹ پالیٹکل پارٹیز بھی موجود ہیں۔ راشٹرپتی کے ابھیبھاشن کے بارے میں ان کا جو انوبھو ہے، ان کی جو مانگیں ہیں یا ان کے جو اوپینئن ہیں، اس کے بارے میں مانئے پردھان منتری جی کی جانکاری نہیں ہے۔ ہمارا یہ خیال تھا کہ جب آج لنچ کے بعد مانئے پردھان منتری جی آئیں گے، تو اپنا بھاشن دیں گے، ان کو ہم سب لوگ سنیں گے اور اسی وقت باقی کے جو ساتھی ہیں، مانئے پردھان منتری جی ان کو بھی سنیں گے۔ ایسا لگتا ہے کہ اب پردھان منتری جی صرف اسی وقت آئیں گے، جس وقت انہیں بھاشن کرنا ہوگا۔

سبھودے، ہماری ڈیمانڈ ہے کہ کہیں بارش کی وجہ سے اور کہیں برف کی وجہ سے پورے دیش میں جو نقصان ہوا، اگر ہم تین بجے تک، پہلے وہ وشے لے لیتے، تو تین بجے کے بعد یہاں مانئے پردھان منتری جی کی حاضری میں پہلے ہمارے ساتھیوں کے بھاشن ہو جاتے۔

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Actually, it is already... ...*(Interruptions)*... Yes, please.

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी : माननीय उपसभापति जी, माननीय नेता विरोधी दल ने अभी जो बात रखी कि कोई नोट नहीं लेता है, पहले तो मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि सभी माननीय सदस्यों ने राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर जो कुछ भी बोला है, उसका शब्दशः एक-एक नोट हमने लिया है और माननीय प्रधान मंत्री जी को दिया है।

---

†Transliteration in Urdu Script.

जहां तक उनकी दूसरी बात है, Business Advisory Committee में पहले ही चर्चा हो चुकी है, फिर कल की बैठक में भी यह चर्चा हो चुकी थी कि आज लंच का समय आधा घंटा घटा करके हम 1.30 बजे से डिस्कशन शुरू कर देंगे। डिस्कशन पूरा होने के साथ-साथ ही आदरणीय प्रधान मंत्री जी उसका रिप्लाई देंगे, उसमें इंटरवीन करेंगे।

इसके साथ ही मैं माननीय नेता विरोधी दल को स्पष्ट करना चाहता हूं कि जब आप बोले थे, तब प्रधान मंत्री जी ने पूरा समय आपकी बात को पूरी तरह से सुना था। मेरा निवेदन है कि अभी आप डिस्कशन शुरू करिए, प्रधान मंत्री जी आएंगे और आकर रिप्लाई देंगे, यह मैं आपको विश्वास दिलाता हूं। इसमें आप इस चीज़ के लिए कम्पेल मत कीजिए कि पहले वे आएंगे, उसके बाद आप बोलना शुरू करेंगे, मुझे लगता है कि वह ठीक नहीं होगा।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. Now, Shri Naresh Agrawal.

श्री नरेश अग्रवालः श्रीमन्, हम सबकी इच्छा थी और यह तो प्रधान मंत्री जी का बड़प्पन होगा, क्योंकि उनको तो पूरे देश ने मेंडेट दिया है। हम तो खुद ही उनको देश का एक बड़ा नेता मानते हैं, आदर्श मानते हैं। हम चाहते हैं कि देश एक रहे, लेकिन इससे एक संदेश यह जा रहा है, जैसे अपोज़िशन के लीडर्स को जान-बूझकर नेग्लेक्ट किया जा रहा है। हम लोगों ने यह बात इसलिए उठाई है, क्योंकि इस बात से ऐसा लग रहा है जैसे हम लोग गम्भीर नहीं हैं, खाली सत्ता पक्ष गम्भीर है।

अभी जब प्रधान मंत्री जी आ जाएंगे, तो उनका गौरव होगा, क्योंकि उन्हें और अधिक सुझाव मिलेंगे। हर सरकार सुझाव चाहती है, चूंकि हम आलोचना के साथ सुझाव भी देते हैं। हमारा काम सिर्फ आलोचना करना नहीं है, हमारा काम सुझाव देना भी है। मैं तो चाहूँगा, अगर आप कह दें- चलिए, मेरे भाषण में न आएँ, उसके बाद आ जाएँ, लेकिन अगर प्रधान मंत्री जी जल्दी आ जायें, तो शायद ज्यादा अच्छा रहेगा। हम लोगों को भी गर्व महसूस होगा कि देश के प्रधान मंत्री आये हैं और उन्होंने हमारी बातें सुनी हैं।

श्री उपसभापतिः अब आप डिस्कशन शुरू कीजिए। ...**(व्यवधान)**... डिस्कशन के बारे में हमने पहले डिसीजन लिया है। You know, we have already taken a decision that we will start ..*(Interruptions)*..

श्री नरेश अग्रवालः सर, संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने कोई आश्वासन नहीं दिया। बहुत हल्केपन से एलओपी की बात ...**(व्यवधान)**...

श्री शरद यादव (बिहार)**:** उपसभापति जी, नेता विरोधी दल ने जो बात कही है, यह राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव है और इस सदन की शोभा हमेशा प्रधान मंत्री के रहने के बाद ही शुरू होती है। सदन की जो गम्भीरता है, इसीलिए लोगों ने यह सवाल उठाया है कि पिछले सत्र में भी जो हालात हुए, मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि प्रधान मंत्री जी जान-बूझ कर इस सदन को इग्नोर कर रहे हैं, लेकिन एक परसेप्शन है कि प्रधान मंत्री जी हमेशा इस सदन का विशेष—मान लीजिए हम लोगों का परसेप्शन था कि जिस तरह के बयान आ रहे हैं, उनके उपर वे बोलेंगे, जो उन्होंने बाहर बोला। यदि वे इस सदन में बोलते, तो यही हमारी इच्छा थी कि देश में और पहले संदेश जाता। आज

[श्री शरद यादव]

भी एलओपी ने जो बात कही है, मैं इसको कोई ऐसी चीज़ नहीं बनाना चाहता, जिससे लगे कि इसमें हमारा कोई दुराग्रह है। हमारा आग्रह यह है कि इस सदन में प्रधान मंत्री जी ने पहले दिन आकर राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर हमारी बातों को सुना। यह बेहतर होता कि प्रधान मंत्री जी इस समय भी आते, जैसे मान लीजिए, the Minister of State in the Ministry of Parliamentary Affairs जो बोल रहे हैं, वे ऐसी बात कह रहे हैं, जो उनके वश में नहीं है। मैं इसलिए सारे लोगों से कहना चाहता हूँ, जो मंत्रीगण बैठे हैं, उनसे भी और आपसे भी, कि यदि वे यहाँ आ जायें और जो लोग यहाँ बोलने वाले हैं, उनकी बात को यदि सुन कर जवाब देने का काम हो, तो वह कारगर होगा। इससे इस सदन में जो बहस है, वह एक तरह से एकतरफा नहीं होगी। वह बहस को एकतरफा चलाकर जाना चाहते होंगे, तो यह ठीक नहीं है। यानी एकतरफा भाषण देना और सदन के जो लोग बैठे हुए हैं और जो बोल रहे हैं, उनके साथ संवाद नहीं करना, मेरा कहना है कि यह ठीक बात नहीं है। आप तो इस सदन के मालिक हैं, इसलिए मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि एलओपी ने जिस बात की माँग की है, यदि यह पूरी हो जाय, तो यह ज्यादा बेहतर होगा, आपके लिए भी बेहतर होगा।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Parliamentary Affairs Minister has not said that the Prime Minister is not coming. He may come any time, that is what he said, that is what I understand. But he cannot give assurance at what particular time he will come or not because he also does not know that. That is about the Minister.

As far as I am concerned, the Chair cannot compel a Minister or even the Prime Minister to be present here unless it is Question Hour where he has to reply to the question or he is to pilot a Bill. Otherwise, the Chair cannot ask a particular Minister, including the Prime Minister, to be present here because the rule does not provide for that. If the Cabinet Minister is here ...*(Interruptions)*... Let me complete. It is collective responsibility. As far as the Chair is concerned, that is enough. ...*(Interruptions)*... Let me complete. But the impression that whatever is spoken here is not known to the Prime Minister is not the correct thing. Whatever is spoken here will be reported to the Prime Minister. He will be privy to all those pieces of information and I believe when he replies, he will refer to those things also. Don't think that because he is not here, he is not getting the information. There is a system for that. There is a system by which the Prime Minister is given this information. In any way, I cannot give a direction or a ruling that the Prime Minister should be here. Therefore, as decided, let us start the discussion.

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से इतना तो सारे विपक्ष की तरफ से कहना चाहता हूँ कि माननीय मंत्री जी प्रधान मंत्री जी को यह convey करवा दें, चर्चा शुरू हो जाएगी, चर्चा के दौरान वे किसी वक्त आ जाएं और उसके बाद अपनी बात कहें।

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी: सर, ठीक है, जो बात माननीय सदस्य कह रहे हैं, वह ठीक है।